समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

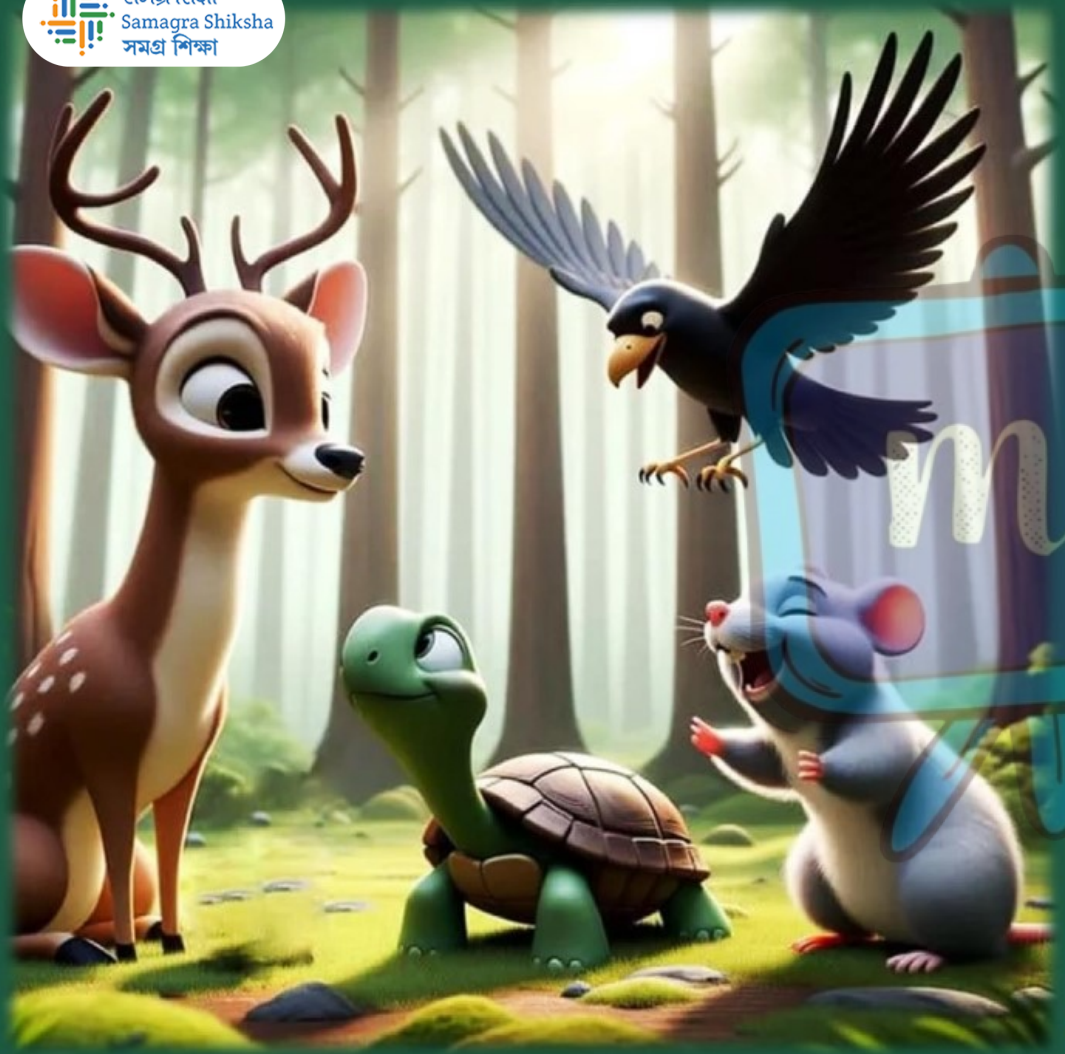

कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 2

चार मित्र

भाग – 1

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

एक घने जंगल में एक झील थी। उसके किनारे चार मित्र रहते थे। पहला एक छोटा-सा भूरा चूहा था। वह झील के किनारे एक आरामदेह बिल में रहता था।

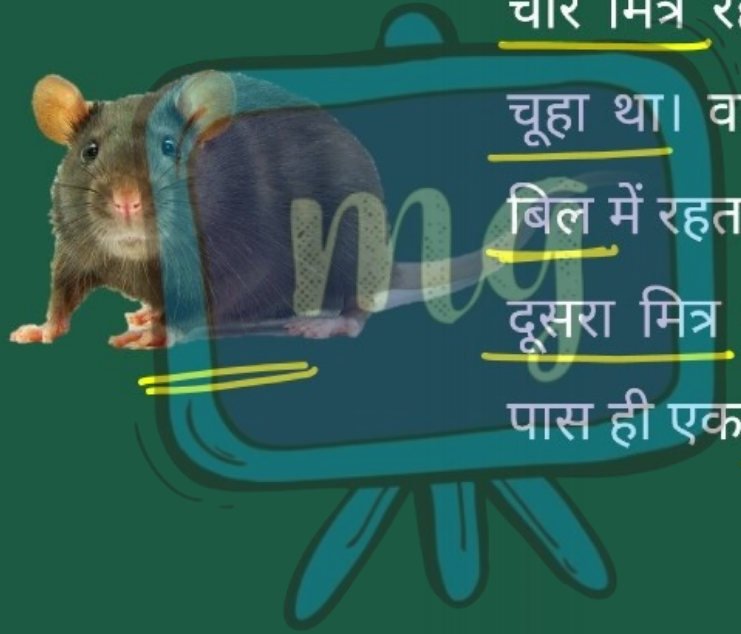

दूसरा मित्र एक काला-कलूटा कौवा था। वह पास ही एक जामुन के पेड़ पर रहता था।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

तीसरा मित्र एक कछुवा था। उसका घर झील में था और वहीं उसे आनंद आता था।

चौथा मित्र एक हिरन था। उसकी बड़ी-बड़ी सुंदर आँखें थीं और सुनहरे बदन पर सफेद चित्तियाँ।





समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



चारों मित्र हिलमिल कर सुख से रहते थे। जंगल के उस हिस्से में वे बिना किसी परेशानी के शांति से दिन बिता रहे थे।

एक शाम चूहा, कौवा और कछुवा झील के किनारे बैठे-बैठे चौथे मित्र हिरन का इंतजार कर रहे थे। बैठे-बैठे घंटों बीत गए पर हिरन नहीं आया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कौवा हिरन की खोज में उड़ चला। उड़ते समय हिरन को पुकारता भी रहा, "हिरन, प्यारे हिरन, तुम कहाँ हो ?"

कुछ समय बाद उसे अपनी पुकार के जवाब में एक हल्की आवाज सुनाई दी। वह हिरन की आवाज थी।

"बचाओ, मुझे बचाओ", हिरन कह रहा था, "मैं यहाँ हूँ, यहाँ।" कौवा नीचे आया तो देखा कि हिरन एक जाल में फँसा है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

"ओह, तुम तो जाल में फँसे हो!" कौवे ने दुःखी होकर कहा, "अब क्या किया जाए ? अच्छा ठहरो, मैं तुम्हारी मदद के लिए दोस्तों के पास जाता हूँ।"

अपने दोस्त को देख हिरन की आँखों में आँसू भर आए, उसने कहा, "भाई, जो ठीक समझो करो, मगर जो कुछ करना हो जल्द करो।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कौवा फुर्ती से उड़ता हुआ झील के पास लौट आया। उसे देखते ही चूहा और कछुवा दोनों एक साथ बोलने लगे-

"क्या हमारा मित्र मिल गया ?"

"हाँ दोस्तो, हाँ", कौवे ने कहा, "मिल तो गया लेकिन इस समय वह भारी खतरे में पड़ा हुआ है।"

कौवे ने हिरन के जाल में फँसे होने की सारी कहानी अपने मित्रों को कह सुनाई।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



इस पर कछुवे ने चटपट एक उपाय सोच निकाला। उसने कहा, "चिंता की कोई बात नहीं। चूहा जाल काटकर हिरन को आजाद कर सकता है।"

"हाँ, क्यों नहीं?" चूहे ने कहा, "लेकिन मैं उसके पास जाऊँगा कैसे ?"

"यह भी कोई बात है?" कौवे ने कहा, "मैं तुम्हें अपनी पीठ पर बैठाकर ले जाऊँगा।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



"तो आओ चलें", चूहे ने कहा और उचक कर कौवे की पीठ पर बैठ गया।

चूहे को लेकर कौवा उड़ा और थोड़ी ही देर में हिरन के पास जा पहुँचा। हिरन के पास पहुँचते ही चूहा फौरन कौवे की पीठ से उतरा और अपने पैने दाँतों से जाल काटने लगा। उसने जरा ही देर में हिरन को आजाद कर दिया। हिरन उठ खड़ा हुआ। उसी समय धीरे-धीरे रेंगता हुआ उनका चौथा साथी कछुवा भी वहीं आ पहुँचा।

सब हिरन के बच निकलने की चर्चा करने लगे। अचानक किसी के आने का खटका सुनकर चारों चुप हो गए। उन्होंने देखा सामने से बहेलिया चला आ रहा है।

बहेलिये पर नजर पड़ते ही कौवा उड़कर एक ऊँचे पेड़ की डाल पर जा बैठा, चूहा एक बिल में जा छिपा और हिरन चौकड़ी भरता हुआ पलभर में गायब हो गया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

मूल्यांकन

Under CSR Support by
ipca | Foundation



1 | आजाद का मतलब होता हैं?

A मुक्त

B विश्वास

C कँटीला पौधा

D उछाल

मूल्यांकन



2 झाड़ी का मतलब होता हैं?

A मुक्त

B विश्वास

C कँटीला पौधा

D उछाल

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

मूल्यांकन

Under CSR Support by
ipca | Foundation



3 पुकार का मतलब होता हैं?

A जोर से बुलाना

B कैद हो जाना

C कँटीला पौधा

D उछाल